

पदार्पण



PADARPAN

ARYA SAMAJ GANDHIDHAM

DBZ-N-157, Gandhidham Kutch, Gujarat-India

Phone: +91-9428006129

E-mail: aryagan@aryagan.org

Website: www.aryagan.org



JEEVAN PRABHAT

VEDIC SANSKAR KENDRA

VOCATIONAL TRAINING CENTRE

DAYANAND ARYA VEDIC PUBLIC SCHOOL



JEEVAN PRABHAT



बच्चों के निर्माण से राष्ट्र निर्माण की ओर



ईश्वर की असीम कृपा से आर्यसमाज गांधीधाम (कच्छ - गुजरात) पिछले 69 वर्ष से सतत कार्यरत है। इसकी नींव के पत्थर स्व. लालजीभाई गोहेल, स्व. श्री डुंगरोमल जेसवाणी, स्व. सर्वश्री वालजी भाई पटेल, श्री मोतीराम जेसवाणी, श्री भगवानदत्त शर्मा, श्री वस्ताराम टांक, श्री रामजीभाई हरसोरा, श्री भीखू भाई गोहेल, श्री कोडरमल, श्रीमती माता गुलाबदेवीजी, श्रीमती जसुमाताजी, श्री गंगाधर चंदनानीजी, श्री रामचन्द्र कलवाणी, श्री रामचन्द्र हसीजा तथा मेरे पूज्य पिता स्व. श्री आचार्य रामचन्द्रजी ने 1954 से 1986 तक इसे सिंचित व पल्लवित किया।

1986 के बाद एक नया दौर शुरू हुआ नवसर्जन का जो 2001 तक चला। 2001 के बाद आर्यसमाज गांधीधाम की विश्व फलक पर एक जबरदस्त पहचान बन गयी - जिसकी वजह रही सेवा कार्य।

6 जुलाई 1986 को जब मैं प्रथम बार आर्यसमाज गांधीधाम से जुड़ा, तब सब शिथिल अवस्था में था। भवन का आधा हिस्सा किरायेदारों के कब्जे में था - जुड़े हुए सारे सदस्य 60 वर्ष से ज्यादा आयु के थे - उत्साह का अभाव था। ऐसे में विकास को शुरू करना बड़ी चुनौती थी। लेकिन तब मैं 29 वर्ष का था, मन में अपार उत्साह व ऊर्जा थी। 1986 से 2000 तक आर्यसमाज को ऊँचाई देने के अनेक प्रयत्न किये जिनमें किरायेदारों का कब्जा खत्म कर भवन मुक्त कराना, विधिवत ट्रस्ट का निर्माण, आर्यसमाज भवन को सुविधाजनक बनाना, बड़े पैमाने पर वार्षिकोत्सव मनाना, मेडिकल ऑक्सिजन बैंक सहित अनेक प्रवृत्तियाँ करना, कंडला तूफान में राहत व बचाव कार्य प्रमुखता से किये।

2001 में विनाशकारी भूकम्प आया - आर्यसमाज गांधीधाम ने बड़ी तत्परता से राहत व बचाव कार्य बहुत बड़े पैमाने पर किये, जिसका विवरण बहुत लंबा है जो कभी और लिखूंगा। 2001 में अमेरिका आर्य प्रतिनिधि सभा के संस्थापक श्री गिरीश खोसलाजी हमारे संपर्क में आये - उनके संपर्क के कारण बहुत सहयोग देश व विदेश से मिलता रहा, उन्होंने हमें बहुत प्रोत्साहित किया। 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयीजी ने भूकम्प में अनाथ बालकों के लिए आर्यसमाज गांधीधाम द्वारा स्थापित संस्था जीवनप्रभात को 56 लाख रुपये दिये - इससे हमें बहुत प्रोत्साहन मिला, बहुत उत्साह बढ़ा। IDRF(USA) संस्था जो अमेरिका में भूकम्पग्रस्त कच्छ के लिए दान एकत्र कर रही थी, श्री शेखर अग्रवालजी (हयूस्टन) की पहल से हमारे संपर्क में आयी। उसके अध्यक्ष श्री डॉ. विनोद प्रकाशजी व सरलादीदी ने जीवनप्रभात के लिए बहुत बड़ी मदद की। 2005 में दक्षिण भारत की सुनामी में सक्रिय होकर आर्यसमाज गांधीधाम ने राहत व बचाव कार्य के साथ जीवनप्रभात पोंडिचेरी स्थापित किया।

आज जीवनप्रभात गांधीधाम व पोंडिचेरी के माध्यम से अनेक अनाथ बच्चों के जीवन बन चुके हैं व अन्यों के बनाये जा रहे हैं - इसे सफल बनाने में आप सभी दान दाताओं का पूरा सहयोग है। यह प्रकल्प 24 X 7 का है और 22 वर्षों से चलाया जा रहा है। इस प्रकल्प के बच्चे B.Tech, BCA, Nursing जैसे कोर्स कर जीवन बना रहे हैं - बना चुके हैं। इसके अलावा आदिपुर में CBSE स्कूल के माध्यम से करीब 1500 बच्चों को अच्छी पढ़ाई के साथ-साथ संस्कार दिये जा रहे हैं। शीघ्र ही एक नया CBSE स्कूल शुरू करना है।

कोरोना के दरम्यान पिछले 26 वर्ष से कार्यरत मेडिकल ऑक्सीजन सेवा बहुत ही उपयोगी रही। हजारों सिलेंडर कोविड पीडितों को दिये गये जिसके कारण अनेक व्यक्तियों की जान बच पायी। आर्य समाज का वर्तमान भवन बहुत छोटा पड़ रहा है अतः अब धीरे-धीरे वैदिक संस्कार केन्द्र में SHIFT करना शुरू कर दिया है। आर्यवीर दल की नियमित शाखा भी शुरू कर दी है।

पिछले 37 वर्षों से आर्यसमाज गांधीधाम को माध्यम बनाकर सेवा के लिए मैंने अपना जीवन समर्पित कर दिया है। लोग अपने लिए जीवन में बहुत कुछ करते हैं, मैंने सब कुछ संस्था के लिए किया। मैं बैंक में कार्यरत था लेकिन अपने लिए धन संपत्ति बढे ऐसी कोई मेहनत नहीं की, सिर्फ संस्था बढे इसके लिए दिनरात मेहनत की। बैंक की नौकरी समय से 10 वर्ष पूर्व छोड़ दी। 10 वर्ष में वेतन के करीब 1.5 करोड़ रुपये मुझे मिलते वो मेरा परोक्ष रूप से दान ही माना जायेगा। लाखों रुपये प्रति वर्ष दक्षिणा के जो मुझे मिलते हैं उन्हें मैं आर्यसमाज में जमा करा देता हूँ व स्वयं की आय से भी दान देता हूँ। आज भी 12 घंटे से ज्यादा संस्था के लिए दे रहा हूँ। “इदं राष्ट्राय इदन्नम” की भावना के साथ तन, मन, धन से सेवा दे रहा हूँ। मेरा सौभाग्य है कि ईश्वर ने इस पुनीत कार्य के लिए मेरी नियुक्ति की है।

मुझे खुशी है कि मेरी टीम के सभी साथी मेरे साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं - जिसमें श्री गुरुदत्तजी का विशेष योगदान है। श्री मोहनभाई का साथ भी प्रशंसनीय है। हमारे Key Person Staff भी प्रशंसनीय योगदान दे रहे हैं।

आगामी वर्षों में आर्यसमाज गांधीधाम नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा क्योंकि जहाँ चाह है, वहाँ राह है। अब तक कभी अवसर नहीं खोया है आगे भी सेवा के, विकास के अवसर खोये बिना कार्य करते रहेंगे।

वाचोनिधि आचार्य

प्रधान - आर्यसमाज गांधीधाम

Cell: +91-9426336232 / 9727536232

E-mail: vachonidhi.arya@gmail.com aryagan@aryagan.org

Arya Samaj At Global Level

Arya Samaj a worldwide organization was founded by Mahrishi Dayanand Saraswati in 1875. Today this 147 years old socio-philanthropic organization has more than 8000 branches all over the world and is relentlessly active in social, educational, cultural and spiritual fields.

Arya Samaj has played a leading role in all social and educational reforms like...

- ◆ Arya Samaj was actively involved in struggle for independence
- ◆ Establishment of Gurukul Kangdi at Haridwar
- ◆ Mahrishi Dayanand Saraswati Universities at Ajmer & Rohtak
- ◆ DAV schools & colleges all over India
- ◆ Gurukuls for Vedic research scholars
- ◆ Orphanages, more than 150 being run all over the country
- ◆ Old Age Homes (Van Prastha Ashram)
- ◆ Promotion of widow remarriage
- ◆ Eradication of untouchability
- ◆ Movements against Superstitions
- ◆ Movements against Blind-beliefs
- ◆ Establishment of Kanya Gurukuls across the Nation for Women Empowerment
- ◆ Gifted personalities like Swami Shardhanand, Lal Lajpatrai, Bhagat Singh, Swami Ramdevji and many more.....

SIXTY EIGHT YEARS OF ARYA SAMAJ IN GANDHIDHAM

Established by Late Shri Laljibhai Gohil in 1954, was joined by youngsters in 1986. Since then Arya Samaj Gandhidham, got an impetus and became a model Arya Samaj in India due to constantly increasing activities and relief work done during natural calamities. Arya Samaj is one of the most prestigious-social and voluntary organization in Gujarat State.

GLOBAL RECOGNITION OF ARYA SAMAJ GANDHIDHAM

The current President of Arya Samaj Gandhidham Shri Vachonidhi Acharya joined in 1986 and slowly but steadily built a very strong team of enthusiastic youngsters and this started the success story of Arya Samaj Gandhidham, attaining the present status from nothing in 1986. Today this strong team is instrumental in the progress. Today Arya Samaj Gandhidham is India's role model and constantly active Arya Samaj. Shri Vachonidhi ji left his lucrative Bank Job for the development of Arya Samaj and its various projects.

Before the devastating earthquake of 26th January, 2001 Arya Samaj Gandhidham was totally dependent on local donations for all its activities. After Earthquake, seeing the organized way in which work was being done by Arya Samaj Gandhidham, national and international community has started donating in a large way and helping us in all our projects. We are now successfully running Jeevan Prabhat in Pondicherry for the Tsunami affected children. Looking at the need of a good english medium school which would also be economical to the parents we started DAV Public School in the year 2009 which has now become one of the best and economical CBSE school in this area. We have now acquired land in nearby Anjar and shortly the construction of one more similar school will be starting there.

This shows what can be achieved with strong & determined leadership and team work.

Nothing is **IMPOSSIBLE**

जीवनप्रभात - देश का उज्ज्वल भविष्य

गुजरात के कच्छ जिले में 26 जनवरी 2001 को आये विनाशकारी भूकम्प में माता - पिता गँवा चुके बच्चों हेतु आर्यसमाज ने “जीवनप्रभात” संस्था की शुरुआत की।

इस संस्था की शुरुआत ही बच्चों के जीवन में पुनः प्रभात लाने के उद्देश्य से की गई ताकि भूकम्प में अनाथ हुए ये सारे बच्चे अब अनाथ न रहें, वे सनाथ हो जायें इस उद्देश्य को हम साथ लेकर चल रहे हैं। भूकम्प के तीन दिन बाद ही स्थापित इस संस्था के कुछ उद्देश्य रखे गये थे जो आज गर्व के साथ हम कह सकते हैं कि उन्हें हम परिपूर्ण कर पायें हैं।

जीवनप्रभात की विशेषताएँ निम्न है :-

- हम बिना किसी जाति व धर्म के भेद भाव से इन बच्चों को पाल रहे हैं। समान शिक्षा, समान वस्त्र, समान भोजन इन बच्चों को मिल रहा है। कोई बता नहीं सकता कि वे कौन से धर्म, जाति के हैं।
- इन बच्चों के चेहरे देखकर ही कोई कह सकता है कि ये बच्चे कितने खुश हैं। इस खुशी का कारण है कि हम इन बच्चों से बरतन धोने, कपड़े धोने, भवन सफाई आदि के कार्य नहीं करवाते, जो अनेक अनाथालयों में होता है।



- इन बच्चों को नये कपड़े ही पहनाये जाते हैं।
- इन बच्चों को रिसेप्शन आदि से बचा हुआ झूठा भोजन कभी नहीं कराया जाता है।
- इन बच्चों के जन्मदिन हर वर्ष मनाये जाते हैं। जन्म दिन के दिन बच्चा एक किलो चॉकलेट स्कूल ले जाकर बाँटता है क्योंकि हर बच्चे के जन्मदिन पर अन्यो की चॉकलेट भी खाता है। उसे जन्मदिन की मनपसंद नयी ड्रेस दी जाती है।
- हमारी स्वयं की गौशाला है जिसमें से बच्चों को शुद्ध गाय का दूध मिलता है।
- हर बच्चा स्कूल पढ़ने जाता है। स्कूल से लौट कर उसे संस्था के छः शिक्षक सम्भालते हैं। जो होमवर्क कराते हैं। अतिरिक्त पढ़ाई कराते हैं तथा उनकी इतर प्रवृत्तियों पर ध्यान देते हैं।
- बच्चों का स्वाभिमान व आत्मविश्वास हमेशा बना रहे इस लिए हम उन्हें दरिद्रता, अभाव, दीनता-हीनता से दूर रखते हैं।
- संस्था के कुल बजट का करीब 35% खर्च पढ़ाई व इतर प्रवृत्तियों के पीछे किया जाता है।
- बच्चों की स्कूल फीस माफ नहीं कराई जाती, बल्कि दान-दाता उन बच्चों की फीज **Sponsor** करते हैं।
- बच्चों का सुन्दर परिसर चार एकड़ जमीन में विकसित है व भव्य तथा सुन्दर है तथा हमेशा **well maintained** व स्वच्छ रहता है। भवन में करीब लाख फुट का निर्माण हुआ है जिस पर करीब 8 करोड़ रुपये की लागत लगी है। भवन में घुसते ही सारी जगह बच्चों की कलाकृतियाँ सजावट नजर आती हैं।
- बच्चों का सुन्दर बगीचा भी है। बगीचे सहित पूरे परिसर में 400 नीम के पेड़ लगे हैं 3000 अन्य विविध वृक्ष लगे हैं।
- बच्चों के कम्प्यूटर कक्ष, कलाकृति कक्ष, पुस्तकालय, वाचनालय, संगीत कक्ष, इंडोर गेम रूम, सभा सदन, ध्यान खंड आदि बने हुए हैं।
- इन बच्चों को सम्भालने के लिए हर प्रकार का स्टाफ है। औसतन हर पाँच बच्चे के पीछे एक स्टाफ नियुक्त है।
- ये बच्चे इतर प्रवृत्तियों में भी बहुत भाग लेते हैं व शहर के होने वाले अनेक आयोजनों में भाग लेकर पुरस्कार भी प्राप्त करते हैं।
- इन बच्चों की दिनभर की निर्धारित दिनचर्या है, उसके अनुसार इन्हें चलाया जाता है। बच्चे सुबह 05:30 उठते हैं व रात्रि 9 बजे सोते हैं। पढ़ाई के अलावा उन्हें पूरे दिन भर संस्कारों से सिंचित किया जा रहा है। मानवीय गुणों को उनके जीवन में लाया जा रहा है।
- हम आये हुए मेहमानों को इन बच्चों के परिसर में ही ठहराते हैं ताकि वे 24 घंटे की गतिविधि अच्छे से देख सकें। मेहमानों हेतु अच्छे **Air conditioned** अतिथि भवन बनाये हुए हैं।
- जीवनप्रभात प्रकल्प द्वारा करीब 40 परिवारों को रोजीरोटी मिल रही है।
- बच्चों को हर चीज खाने को मिलती है। वर्ष भर अनेकों पार्टियाँ परिसर में होती रहती हैं। बच्चों को रिसेप्शन पार्टियों में बाहर भी बुलाया जाता है। वे किसी भी व्यंजन से अपरिचित नहीं हैं - उसके लिए तरसते नहीं हैं। भोजन बनाने के लिए राजस्थानी रसोइये रखे गये हैं।
- बच्चों की छोटी छोटी पिकनिकें वर्ष भर होती रहती हैं परन्तु प्रतिवर्ष 5. 6 दिन की बड़ी पिकनिक भी मई जून में करवायी जाती है।
- बच्चों को **TV** मात्र 45 मिनट ही दिखायी जाती है जिसमें वे निर्धारित चैनल ही देखते हैं।
- पूरा परिसर **CCTV** कैमरे से घिरा हुआ है।
- बच्चे पूर्ण अनुशासित व मेहनती बनाये जा रहे हैं। शिक्षा के अतिरिक्त इन्हें स्वाभिमान, संस्कारी व राष्ट्रभक्त बनाया जा रहा है।
- बच्चों हेतु प्राप्त पैसों की दान रसीद तो हर जगह बनती ही है पर उनके लिए प्राप्त वस्तुओं की रसीद भी हम बनाते हैं और उसे बच्चों में ही बाँटा जाये यह सुनिश्चित है।
- संस्था का पूरा प्रशासन पारदर्शी बनाये रखा गया है। करीब 40 प्रकार के रिकार्ड प्रतिदिन दर्ज किये जाते हैं।
- लड़कों को अपने पैरों पर खड़ा होने तक की जिम्मेदारी आर्य समाज निभायेगा तथा लड़कियों की शादी करने की जिम्मेदारी भी आर्य समाज निभायेगा।

THE CHILDREN WITH SOME VVIPs OF INDIA



- बच्चे समय समय पर अनेक राष्ट्रीय स्तर के महानुभावों से मिल चुके हैं व आशीर्वाद प्राप्त कर चुके हैं।
- बच्चों का **I.Q. Level** बहुत अच्छा है व बच्चे बड़े ही आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। जरूर ये बच्चे अच्छे नागरिक बनके भारत राष्ट्र का नाम रोशन करेंगे।
- बच्चे थाली में जूठन नहीं छोड़ते हैं व **Wrapper** आदि फेंक कर गंदकी नहीं करते हैं।

इन बच्चों के माता पिता नहीं रहे इस बात का हम सभी को दुःख है परन्तु यदि माता पिता रहते तो इनका शायद इतना विकास नहीं हो सकता जो जीवन प्रभात में हो रहा है। यदि माता पिता न रहने के बाद इन बच्चों को हमने न समझा होता, तो छत्रछाया के बिना ये बच्चे इधर उधर भटक जाते व असामाजिक तत्वों के शिकार भी हो जाते। गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी ने कहा है कि “ भूकम्प की आपत्ति को हमने अवसर में बदला है। ”

आज इन बच्चों को बड़े उद्देश्य पूर्ण ढंग से हम पाल रहे हैं। घर के दो बच्चों को पालना कितना कठिन कार्य है यह हम सभी जानते हैं। सतत देखरेख व मेहनत के साथ इन बच्चों को हीरे की तरह तराशा जा रहा है। यह कार्य 24 घण्टे का है व वर्षों का है। इस कठिन चुनौती को आर्य समाज के सभी सदस्य, पदाधिकारी व स्टाफ सदस्य अच्छी तरह निभा रहे हैं। साथ ही दानदाता भी पूरे विश्व से इन्हें पालने हेतु सहयोग दे रहे हैं।

हम सरकारी सहायता नहीं लेते, हमने बैंक में **Fixed Deposit** भी नहीं की है जिसके ब्याज से कार्य चले। हमें तो मात्र दानदाताओं के सहयोग का ही आधार है। हम घर-घर, नगर-नगर रसीद बुक लेकर भी दान इकठ्ठा करने नहीं निकलते हैं हालांकि जीवनप्रभात का प्रतिदिन का खर्च ₹. 15,000 से ज्यादा का है। अब तक बच्चों के पालन पर पिछले 12 वर्ष में करीब ₹. 6 करोड़ खर्च हो चुका है।

हम सारे दान दाताओं के आभारी हैं व सतत आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप अपनी कमाई की छोटी सी आहुति इन बच्चों के लिए भी निकालिये। भगवान ने आपको देने का सामर्थ्य दिया है तो क्यों न दान देकर पुण्यशाली बनें। आपका छोटा बड़ा हर दान इनके जीवन को निखारने में काम आयेगा। आप जरूर इन बच्चों का जीवन सवारें व दूसरों को भी प्रेरित करें, ऐसी प्रार्थना है।

- जीवनप्रभात का पूरा विवरण शब्दों में लिखा नहीं जा सकता है। आप संस्था परिसर की जरूर मुलाकात ले - स्वयं देखें - आपको अच्छा लगेगा।



BETI BACHAO - BETI PADHAO

This is the current version of our Vedic Slogan यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता.

Mahrishi Dayanand Saraswati the founder of Arya Samaj was a great social reformer, a true patriot who relentlessly fought against prevailing social evils, and worked for women's empowerment through education and social harmony. He stated that to improve the status of women by eradicating social evils, education was a must.

In keeping with this doctrine of our founder Mahrishi Dayanand Saraswati we started D.A.V. Public School in Adipur in 2009, so that proper education can be given to society and that to at an affordable level. This school is CBSE affiliated and is an English Medium-Co.Ed School.

Even though the fee structure is reasonable and economical the management of Arya Samaj Gandhidham felt that they should do something more for our daughters and they started giving scholarship to the female students.

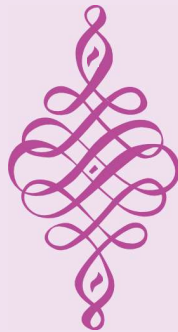
Arya Samaj Gandhidham is giving scholarship to all the girls studying in D.A.V. Public School in Adipur and this amounts to more than **Rs. 15 Lakhs per year.**



With the Hon'ble Governor of Gujarat on Various Occassions



SOME PERSONALITIES OF INDIA AT JEEVAN PRABHAT



Timeline of Arya Samaj Gandhidham

Arya Samaj Established at Gandhidham	1954
Shri Vachonidhi Acharya joined	1986
Shri Gurudutt Sharma joined and also Trust formed	1989
Got the First Floor vacated from unauthorized occupants & reconstructed	1990
Shri Purshottambhai Patel joined	1991
Established Medical Oxygen Bank	1997
Cyclone Rescue & Relief work	1998
Started Construction of Vedic Sanskar Kendra	2000
Earthquake Rescue & Relief work & established Jeevan Prabhat Gandhidham	2001
Received ₹. 56 Lacs from Prime Ministers National Fund	2003
Built & dedicated a school at Mundra	2003
Tsunami Rescue & Relief work & established Jeevan Prabhat Pondicherry	2005
Shri Vachonidhi Acharya visited USA for the first time	2008
Inauguration of Jeevan Prabhat Pondicherry Complex	2008
Started D.A.V. Public School Gandhidham	2009
Inauguration of Jeevan Prabhat Complex	2009
Acquired 11 acres of land for Vocational Training Center	2010
Shri Vachonidhi Acharya voluntarily resigned bank service and dedicated full time since	2011
Shri Vachonidhi Acharya became President	2015
Hon'ble Governor of Gujarat Shri O P Kohli ji visited	2016
Shri Girish Khosla ji's 70th Birthday celebrated on grand scale	2018
Hon'ble Governor of Gujarat Acharya Devvrat Ji visited	2020
Medical Oxygen services expanded for Covid19 patients	2021
Arya Veer Dal started	2022
Weekly Satsang Shifted to Vaidic Sanskar Kendra	2022
Arya Veer Dal & Arya Veerangna Dal Residential Summer camp	2022
Senior Secondary Started in D.A.V. Public School Gandhidham	2022



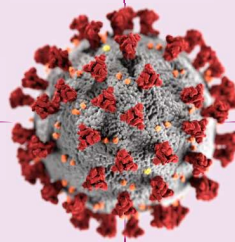
Progress



CURRENT ACTIVITIES of Arya Samaj Gandhidham

- ❖ Jeevan Prabhat Gandhidham
- ❖ Dayanand Arya Vedic Public School
- ❖ Reaching the world through Internet
- ❖ Arya Veer Dal
- ❖ Rich Library
- ❖ Marriages with simplicity
- ❖ Medical oxygen bank

Covid19 - Help to affected people



Covid19 - Help to affected people

Government Appreciation



Vijay Rupani

Chief Minister, Gujarat State

Apro/Jm/2021/05/07/pp

Dt. 07-05-2021

Snehi Shree Vachonidhiji,

Saprem Namaskar.

I am pleased to know about the social service work done by Arya Samaj Gandhidham during this pandemic.

It is said that "**Service to Mankind is Service to God.**" Arya Samaj Gandhidham has been doing great work by refilling medical oxygen cylinders for needy patients from their own **Medical Oxygen Bank**.

I congratulate the enthusiastic team of **Arya Samaj Gandhidham** for their noble efforts.


(Vijay Rupani)

To
Shree Vachonidhi Acharya, President,
Arya Samaj - Gandhidham
Maharshi Dayanand Marg,
DBZ-N-157, Nr. Zanda Chowk,
Gandhidham - 370 201, Kutch.
Email : aryagan@aryagan.org
M: 91-9727536232



JEEVAN PRABHAT – BUILDING FUTURE OF THE NATION

Gujarat and especially Kutch were struck by a devastating earthquake on 26th January 2001. We wanted to do something for the society and hence we started Jeevan Prabhat for those children who had lost their everything including their most valuable asset Parents.

Jeevan Prabhat was set up with the intention to usher in a new dawn in the lives of these children so that they would no longer be orphans but Arya Samaj and the whole society would now be their parents, this is our motto and principal. We are proud to say that we have fulfilled the objective and targets which we had set when we started Jeevan Prabhat on the third day after the earthquake i.e. on 29th January 2001.

Salient features of Jeevan Prabhat:-

- * We are rearing these children without the distinction of class, creed or religion. All the children are given same food, clothes and education. On seeing these children you cannot tell their Religion or Caste, or that they are orphans.
- * Just by seeing the faces of these children you can come to know
- * of the happiness in their hearts, this is because these children are never made to wash utensils or clothes or made to clean the premises which is a regular practice in many other orphanages.
- * Only new clothes are given to the children. We do not accept old clothes for them.
- * These children are never served any leftover food from any parties, receptions etc.
- * We celebrate the birthday of each and every child every year. As is the practice in all the local schools these children also distribute chocolates to their classmates. The child is given a new dress as a birthday gift.
- * We have our own Gaushala (dairy) so that the children get pure milk to drink.
- * Each and every child is sent to school. We have also employed six teachers to help the children with their studies after they come back from school. Apart from extra studies and their homework these teachers also keep an eye and help them with their extra-curricular activities.
- * To boost the morale of the children and also their self confidence we never allow them to think of themselves as poor or lesser children.
- * Of the total budget 35% is spent on education and extra-curricular activities.
- * We never ask the school to waive the fees instead we ask donors to sponsor the education of the children.
- * The campus is spread over 4 acres of land and the building has all the amenities and is airy, neat and functional. On entering the premises you will be able to see the handicrafts and paintings made by the children displayed every where. There is also a well maintained garden for the children to play. The premises is approximately one lac sq.feet, constructed at an estimated cost of Rs. 8 crores. The complex and the garden have a total of about 400 neem trees and 3000 other plants and trees.



- * There is a computer class, library & reading room, music room, a meditation room, a room for indoor games and also a room for extra-curricular activities and handicrafts.
- * We have all types of staff to take care of the children. On an average there is one staff for every five children.
- * These children take part in many competitions and extra-curricular activities and also win many prizes.
- * There is a fix time table for the children to follow. The children get up at 5.30am and go to sleep at 9pm. Apart from modern education, moral values are also imbibed in them.
- * All the guests visiting the children are given accommodation on the campus so that they can observe the children and be with them continuously during their stay. We have made good air-conditioned rooms for the guests.
- * Jeevan Prabhat is giving employment to 40 people and thus is helping 40 families.
- * The children are given all types of variety food to eat. Year round many parties are organized by different

आर्य वीर तथा वीरांगना दल गांधीधाम ग्रीष्मकालीन शिविर 2022



people in the Jeevan Prabhat Complex and the children are also invited to many parties and receptions. No dish or preparation is untasted by them and they do not yearn for any food.

- * The children are taken for small picnics regularly and once a year in May-June they are taken for a 5-6 day picnic.
- * The children are allowed to watch TV for only 45 minutes a day and that too only selected channels.
- * To keep watch on the children we have installed CCTV in the whole campus.
- * The children are reared as industrious and totally disciplined. Apart from book knowledge we are also imbuing in them moral values, making them self confident and making them patriotic.
- * Every organisation issues receipts for the financial donation received by them but we issue receipts even for donations received in kind and also ensure that they are distributed properly to the children.
- * Our whole management is transparent. Daily about 40 types of records are maintained and checked.
- * We have taken the responsibility of the boys till they are able to stand on their own feet and that of the girls till their marriage. Arya Samaj will also bear the responsibility of the marriage of the girls.
- * The children have met many National level personalities and taken their blessings.
- * The I.Q. level of the children is good and they are full of self confidence. We are sure this children will be model citizens of Mother India and bring laurels.
- * The children do not leave any leftovers in their food plates nor do they throw wrappers etc and loiter the campus.

We are all sad that these children are orphans but in case their parents were alive then these children would not have reached the level they have attained after their admission in Jeevan Prabhat. In case we had not taken the responsibility of these children then they would have become loafers and spent their lives doing nothing and may have fallen prey to anti-social elements. Hon. Chief Minister of Gujarat Narendra Modi says that Gujarat has turned the disaster of the earthquake into an opportunity for development.

We are rearing these children with definite goals. We all know how difficult it is to rear two children at home. With constant attention and care we are polishing these raw diamonds which is a 24 hour year round work. All the members, office bearers and staff of Arya Samaj have taken up this challenging task of rearing these children. Donors from all over the world are also contributing for the this gigantic task.

We do not take any Government grant nor do we have any fixed-deposits so that we can run on the interest. We are totally dependent on donations. We do not go from house to house asking for donations. The total expenditure of Jeevan Prabhat is more than ` . 15000/- per day.

We are heartily grateful to all our donors and pray to you all to continue supporting us by giving us your regular small or big contributions for these children. God has given you the strength and the means so please contribute and help these children. All small and big donations are utilised for the betterment of the lives of these children. We request you to also inspire others to also donate for these children.

We heartily invite you to visit the children and shower your love and blessings on them.



॥ भावपूर्ण श्रद्धांजलि ॥



पद्म भूषण स्व. धर्मपाल जी मसालों के बादशाह कहलाते हैं और जिनकी जिंदादिली 96 - 97 वर्ष के होते हुए भी देखने को मिलती थी उन्हें कोरोना ने शिकार बना लिया। उनका स्नेही स्वभाव उनकी बड़े बड़े दान देने की हिम्मत सभी का उत्साह बढ़ाती थी। स्वयं MDH के ब्रांड एम्बेसेडर बनकर विज्ञापन में आते थे। गांधीधाम पधारकर उन्होंने हम सभी को आशीर्वाद दिया।
ऐसी विभूति को शत शत नमन है।



स्वर्गीय आदरणीय बाबू ओंकारनाथजी की जीवन संगिनी **माता शिवराजवतीजी** का 19 जनवरी 2022 को असामयिक निधन हुआ, जो आर्यजगत के लिए अपूरणीय क्षति है। वे देश-विदेश के हर आर्य सम्मेलन में उपस्थित रहकर उत्साह वर्धन करती थी। उनके गाये हुए भजन जन-जन में लोकप्रिय है।

पूज्या माताजी को शत - शत नमन।



जिन्हें हम सेठजी कहते हैं **स्व. सेठजी कनकशीभाई आशर** रहते तो मस्कत (ओमान) में थे परंतु वे तथा उनका परिवार तन-मन-धन से आर्यसमाज को आगे बढ़ाने में जुड़ा रहा है। उन्होंने गांधीधाम आर्यसमाज को अतिथि गृह बनाने में, वेद प्रचार वाहन देने में, जीवनप्रभात के लिए उनकी स्व. बहन का बैंक लेकर दिलवाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। उनकी याद में उनके परिवारजनों ने 51 लाख रुपये दिये हैं। उनकी अंत्येष्टि आर्यसमाज गांधीधाम के प्रधान ने तुरंत मस्कत जाकर करवाई। उनका साधु स्वभाव हमेशा याद आता है।
उन्हें सादर श्रद्धांजलि प्रदान करते हैं।



श्री हरि गेहाणी जी ने अपनी सेवाएँ हमेशा आर्यसमाज गांधीधाम को दी। दीनदयाल पोर्ट ओथोरिटी के चीफ इन्जीनियर के नाते, SRC LTD के जनरल मेनेजर के नाते हमेशा प्रेमभाव दिखाया। DAV Public School, आदिपुर की जमीन मंजूर करवाने में उनका विशेष योगदान रहा।
उन्हें सादर श्रद्धांजलि प्रदान करते हैं।



ऐसी दिव्य आत्माएं आर्यसमाज गांधीधाम के इतिहास में हमेशा के लिए अमर हो गयी हैं

॥ आर्य जगत के महारथी ॥



आर्य जगत के नाथ श्रीयुत ओंकारनाथ

जिन्हें आर्यजगत का नाथ कहा जाता है, ऐसे आदरणीय स्वर्गीय बाबू ओंकारनाथजी ने मुंबई की आर्यसमाज को बहुत प्रतिष्ठा दिलवाई है। सफल उद्योगपति होने के साथ-साथ अपनी कार्यकुशलता का परिचय उन्होंने आर्य जगत को मजबूत करने में लगाया। उनके कार्य की व्यापकता को शब्दों में कह पाना तो कठिन है।

गुजरात के सन् 2001 के भूकंप में वे पूरी तरह से पूरी टीम के साथ तन-मन-धन से जुड़े रहे। टंकारा जो महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की जन्मभूमि है उसका काया कल्प करने में उनका बड़ा योगदान रहा है। उनका Planning, Direction व Supervision अदभुत था। टंकारा को विश्व दर्शनीय बनाने में उनकी दूरदृष्टि हमेशा काम करती थी।

२००९ के अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन मुम्बई को उन्होंने ने बड़े सुचारु रूप से आयोजित किया और सफलता दिलवाई। उनका दढ़ संकल्प न होता तो महासम्मेलन स्थगित हो जाता।

हमारा दुर्भाग्य कहा जाना चाहिए कि वे कुसमय ही हमारे बीच नहीं रहे लेकिन उनके शेष कार्य का सामाजिक दायित्व श्री सुनील मानकटाला जी व उनका परिवार निभा रहा है। उनके सुपुत्र सुनील मानकटाला जी ने बाबू ओंकारनाथजी के नाम पर आर्यसमाज गांधीधाम को स्कूल खोलने के लिए बहुत बड़ा सहयोग दिया है। उनको आर्यसमाज गांधीधाम की ओर से शत - शत नमन है।

हम बाबूजी का पुण्य स्मरण कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि प्रदान करते हैं।



आर्य जगत का सम्मान बढ़ाने वाले
आर्य पथिक गिरीश खोसला वानप्रस्थी

जिनका अमृत जन्मोत्सव 6 जनवरी 2023 को है, वे ऐतिहासिक आर्य परिवार से हैं, जिनके पूरे परिवार, खानदान ने आर्यजगत के लिए बहुत कुछ किया है। आपके नाना जी आदरणीय आचार्य रामदेवजी, जो गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार में पूज्य स्वामी श्रद्धानन्दजी महाराज के समकालीन थे, जिन्होंने भारत का प्रथम कन्या गुरुकुल 1923 में देहरादून में स्थापित किया था और उनकी सुपुत्री माता दमयंती कपूर जी जिन्होंने पिता के बाद अपने अंतिम श्वास तक इसे सुचारु रूप से चलाने की जिम्मेदारी निभाई - ऐसे अनेक महानुभाव उनके परिवार में सक्रिय रहे हैं। स्वयं श्री गिरीश खोसला जी मूर्धन्य विद्वान, दूरदर्शी, कुशल आयोजक रहे हैं। लंदन में आर्यसमाज को मजबूत किया, तत्पश्चात वे अमेरिका चले गये वहाँ आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका की स्थापना की, जिनके अंतर्गत 43 आर्यसमाजें कार्यरत हैं। आर्यसमाज के कार्य रुकने न पायें इसलिए अमेरिका के अनेक शहरों में आर्यसमाज की टीमें बनी हैं उन सब का नेतृत्व करना, संकलन करना, इस कार्य को आपने बड़ी कुशलता के साथ निभाया है।

श्री गिरीशजी ने फरवरी 2000 में शिवरात्रि के बाद गांधीधाम आकर छोटी सी आर्यसमाज को देखा व वैदिक संस्कार केन्द्र की पड़ रही नींव को देखा। उन्हें अनुभूति हो गयी कि यदि इन कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया जाये तो वे कुछ ऐतिहासिक कार्य कर सकते हैं।

आपने केवल आर्यजगत में परिचय व धन सहयोग ही नहीं कराया वरन जीवनप्रभात के बच्चों के जीवन निर्माण को भी गति दी। वे हर वर्ष डेढ़ दो माह के लिए जीवनप्रभात में करीब 10 वर्ष तक रहे, अब स्वास्थ्य के कारण कम रुक पा रहे हैं। बच्चों के दादा श्री गिरीशजी जीवनप्रभात के कुलपिता के रूप में अपने कर्तव्यों को निभा रहे हैं।

उनके सुपुत्र श्री भुवनेश खोसला जी आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका का नेतृत्व कर रहे हैं।

हम उनके स्वस्थ दीर्घायु की कामना करते हैं।

SOME OF THE CHILDREN SETTLED BY “JEEVAN PRABHAT”



Manjula Chavda completed her graduation and training in Nursing and has secured a permanent job as a nurse in Government Hospital.



Ravi Arya of **Jeevan Prabhat** which is a HOME for destitute and parentless children being run by **Arya Samaj Gandhidham** has Reached Muscat where he will be working with Shri Kuldeepbhai Asher S/o Late Seth Shri Kanaksinh Meghji Asher.



Alpa did her Masters in Arts and is now working with Jawahar Novoday Vidyalaya. She is very brilliant in all matters related to education.



Mahesh Studied to become Civil Engineer from the prestigious Nirma University and is now working with Hitech Projects Pvt. Ltd., Ahmedabad.



Ramila who has graduated in Nursing and is now working as a professional nurse.



.....And Many More

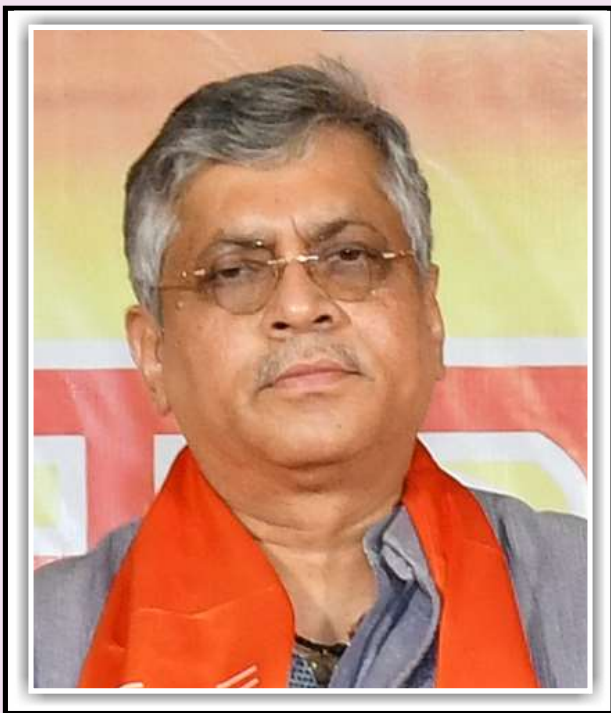
Some Principal Contributors of Jeevan Prabhat



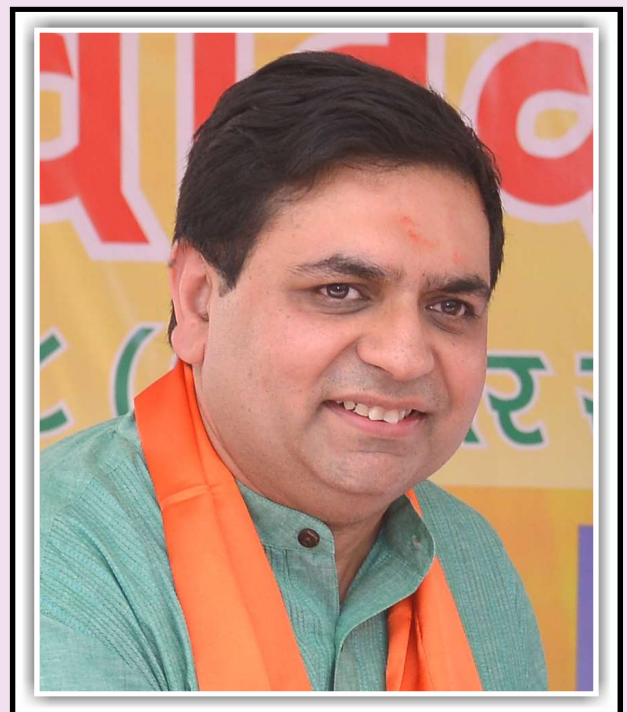
Shri Vasanbhai Ahir



Smt. Bhanuben Kanakshi Asher



Shri Sunil Manaktala



Shri Bhuvnesh Khosla

Some Principal Contributors of Jeevan Prabhat



Shri Chandru Changrani



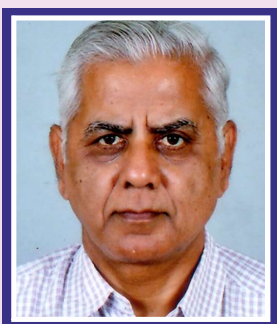
Shri Sudhir Munjal



Shri Dhiren Mehta



Shri Nandlal Goyal



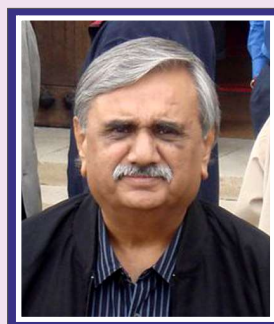
Shri C B Girotra



Shri Bharat Varsani



Shri Trikam Ahir



Shri Vimal Gujaral



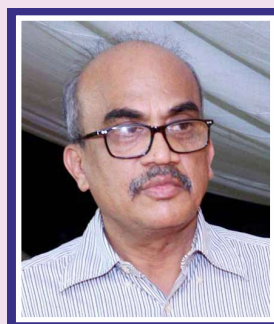
Shri Shamji Kangad



Shri Rakesh Agrawal



Shri Vijaybhai Boricha



Shri Bhikhubhai Agrawal



Shri Madhukant Shah



Shri Yahpal Demla



Shri Navneet Goyal



Shri Nitesh Hinduja

Some Principal Contributors of Jeevan Prabhat



Shri Lalit Mohan Sahani



Shri Manik Chellani



Shri Nandan Maheshwari



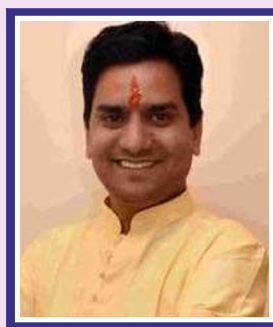
Shri Hiren Shah



Shri Ranjeetsingh Dhaka



Shri Dipesh Muchhala



Shri Devendra Ganolia



Shri Amit Bharadwaj



Shri Subhash Goyal



Shri Ashok Patel



Shri Pratish Atha



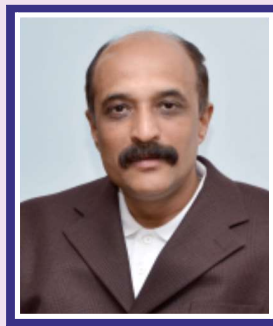
Shri K V M R Shrinivas



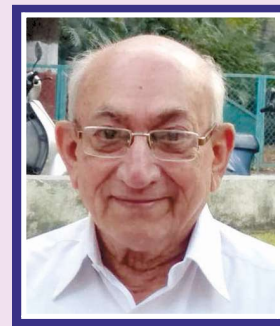
Shri Sameer Garg



Shri Ravindra Oza



Dr. Hemang Patel



Shri Madhavdas Pau

Some Principal Contributors of Jeevan Prabhat



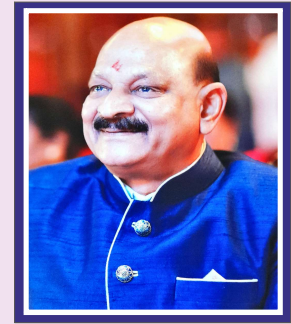
Shri Danny Shah



Shri Dinesh Kalva



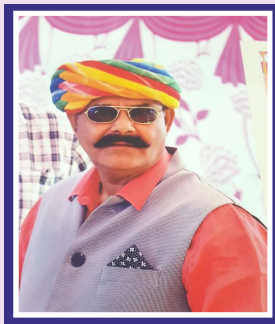
Shri Dharmu Motwani



Late Shri Hariprasad ji



Er. Jai Hemnani



Shri Pravinsinh Jadeja



Er. Harish Teckchandani



Shri Manish Majithiya



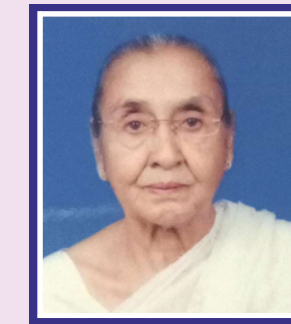
Shri Abhinav Abhishek



Shri Pankaj Thakkar



Dr. Brijesh Agrawal



Bhagwati Dadi Punjabi

We express heartfelt gratitude to all our donors for their regular and timely contributions



Flagship of Arya Samaj Gandhidham Dayanand Arya Vedic Public School



About Us: D.A.V. Public School, Gandhidham which began its journey as a fledgling in 2009 with just 130 students in the pre-primary section has now attained heights in the world of education and is a reputed school of Gandhidham. The school strives to educate students so that they are ready to reach their highest potential. We aim for excellence in all that we do as we value every individual in our care and it is our aim to provide a stimulating environment in which the children can reach the highest standards of which they are capable.

Vision & Mission: We inculcate Morals, Cultures and Values that are based on the principles propounded by Mahrishi Dayanand Saraswati (Founder of Arya Samaj) and Mahatma Hansraj (Founder of DAV movement in 1886)

D.A.V.P.S. embraces all areas of the curriculum with emphasis on Literacy and Numeracy, Arts, History, Science and Sport. We support and guide them to achieve their very best educationally, socially and physically in an environment that puts child's needs at the top of the agenda.

Development: We have a highly talented, dedicated teaching and support staff to ensure that the learning environment in our school is the best and we seek to equip our students with the very best for life after D.A.V. We believe that children are the heart of any great school. The happiness and well-being of these children is the key to future success.

Teachers work in partnership with the parents to provide the best education to each and every student as each child is valuable to us, so are the parents. The school is working towards reducing the gap between home and school so that parents and teachers are in the best possible position to support a child's learning.

The early childhood years have been universally recognized as crucial foundation years. An important component of early childhood development is the pre-school education for all round development of the child. It aims at preparing him for formal school education. Hence pre-school is a preparatory stage where a child lays the foundation for all other activities in education. The kind of training imparted at this stage decides the level of academic achievement of a child in later part of his life. So it is essential to give more emphasis on different development such as physical, cognitive, social, emotional and sensorial development.

We are now in the process of appointing a Relationship Manager so that we can give single window solutions to all issues related to the students.

Giving them the concept of language and numbers is equally important at this stage. Besides teaching them alphanumeric, stress is laid on developing their reasoning ability by providing them with different worksheets to get the actual feel of the subject.

Rhymes and storytelling are some of the most interesting activities in the curriculum. These activities, apart from giving fun, develop concentration and listening skills. The children increase

Activities by the Children of Dayanand Arya Vedic Public School



their vocabulary, express themselves freely and develop their imagination.

See & Learn: Learning by doing is implemented at every stage of education. Children perform different activities to understand the environment and science concepts such as germination of seed and presence of air. Children are exposed to concrete examples. For example, when we talk about an apple, we show them the fruit and cut it before them so that they can see the skin, flesh and seeds. and even eat the fruit to develop the taste for it.

As a part of the pre-primary curriculum, children are taken to different places such as cowshed, milk dairy, post office, hospital, railway station, zoo, potter's & carpenters workshops, airport etc. to have practical experience of what they are reading in their books.

It is our firm belief that every individual has got his own creativity and he should be given proper opportunity to express and develop it. For this, children are provided with different activities such as painting, printing, cutting work, and clay modeling. These activities also help to channelize their destructive behavior to constructive activities.

To make children aware of our rich cultural heritage, different festivals such as Diwali, X'mas, Navratri, Id, Holi, etc. are celebrated in the school.

Exposure: Every child is exposed to co-curricular and sports activities so that he gets an opportunity to transform his potentials into reality. Children are given firsthand experience on computer. They play games on numbers and languages on computer. Besides many interesting books, the library has rich stock of playing materials contributing to their overall development. Audio Visual facility is a significant part of the junior library. Thus the small kids learn and grow in a free environment.

We are giving scholarships to an amount of Rs. 16 Lacs to the students out of which 50% is contributed by Arya Samaj Gandhidham from its corpus funds and the balance of Rs. 8 Lacs is donated by various donors like Rama Cylinders, Hero Group, Hero Cycles, Kumar Metals etc.

We will be pleased to welcome you to D.A.V. Public School and also request you to visit our website. We would be delighted to be involved in the education of your child and to foster in him/her the values we value and seek for our DAV'ians.

The Brains Behind The School



Gurudutt Sharma
(Chairman)



Vachonidhi Acharya
(Managing Director)



Bhikhubhai Agrawal
(Director)



Rakesh Agrawal
(Director)



Mohan Jangid
(Director)



Bharti Talele
(Director)

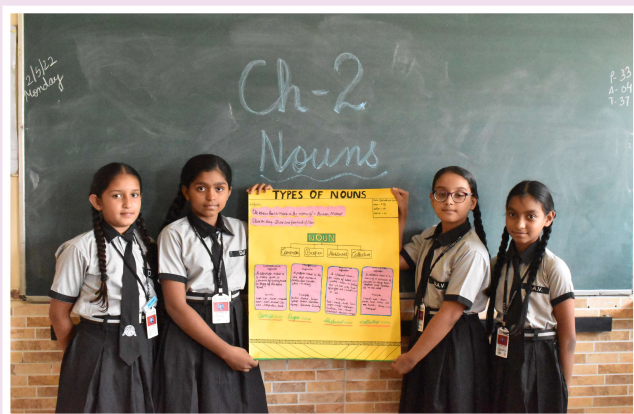
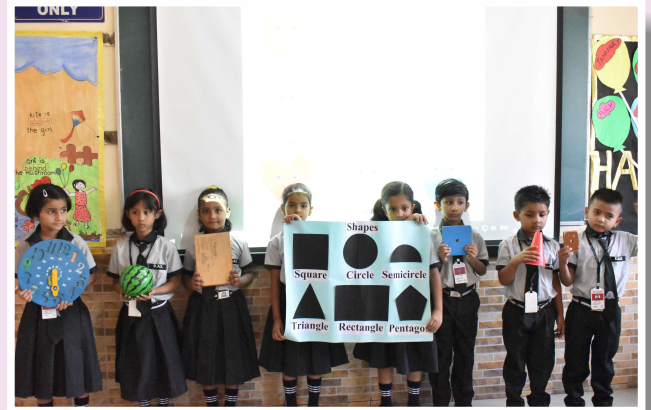


Suman Acharya
(Director)

Activities by the Children of Dayanand Arya Vedic Public School



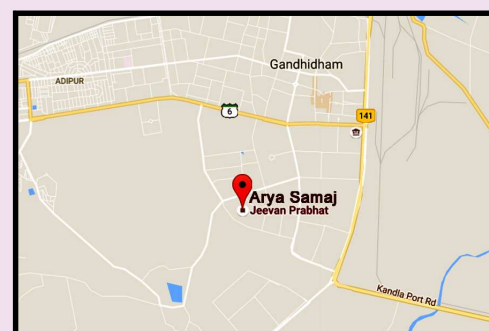
Activities by the Children of Dayanand Arya Vedic Public School





How to Reach Arya Samaj Gandhidham

- * Gandhidham is connected by air, rail and road network with all the major cities of India.
- * **Air Conectivity:** Bhuj (60kms from Gandhidham) has got daily flights from Mumbai & Ahmedabad, Gandhidham has also got flights from Mumbai, Delhi & Ahmedabad. There are also many flights from Mumbai & Delhi to Ahmedabad which is just 300kms-4hrs drive from Gandhidham.
- * **Rail & Road Conectivity:** Mumbai and Delhi have frequent daily trains to Ahmedabad . There are many Luxury busses and trains to Gandhidham from Ahmedabad. The road from Ahmedabad to Gandhidham is Four Lane and in a very good condition.



Contact Us

DBZ-N-157, Mahrishi Dayanand Marg, Near Zanda Chowk, Gandhidham-Kutch. Pin Code: 370201
 Phone: +91-2836-231223, Cell: +91-9426336232, E-mail: aryagan@aryagan.org Website: www.aryagan.org
 Join us on Facebook At: <https://www.facebook.com/AryaSamajGIM>

Team - Arya Samaj Gandhidham



Vachonidhi Acharya
(President)



Mohan Jangid
(Vice-President)



Gurudutt Sharma
(General Secretary)



Rajendra Gaud
(Treasurer)



Yogendra Arya
(Trustee)



Chhatrapalsinh Jadeja
(Trustee)



Smt. Manjuben Jangid
(Trustee)



Hitesh Sharma
(Special Invitee)



Dilip Jangid
(Special Invitee)



Tanmay Arya
(Special Invitee)

ओ३म् सं गच्छध्वं सं वदध्वम् सं वो मनांसि जानताम् ।
देवा भागं यथा पूर्वे सं जानाना उपासते ॥

HOW YOU CAN DONATE FOR THE CHILDREN

एक बालक के पालक माता पिता बनें
Sponsor a child for one year

₹ 30,000/-

सभी बालकों के लिए एक दिन का भोजन खर्च
Full day meals to all the children

₹ 15,000/-

एक बालक का वार्षिक शिक्षा खर्च
Education of a child for one year

₹ 12,000/-



सभी बालकों के लिए एक समय का मिठाई सहित भोजन
One time meal with sweet to all the children

₹ 07,500/-

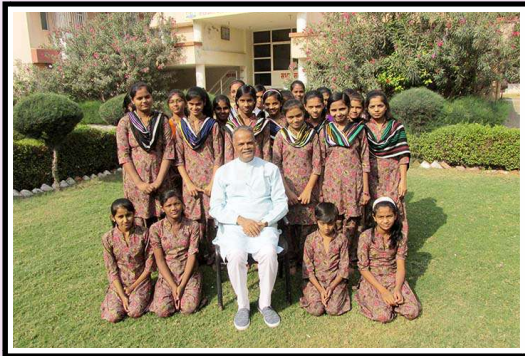
सभी बालकों के लिए एक समय का सादा भोजन
One time simple meal to all the children

₹ 05,100/-

सभी बालकों के लिए एक समय का नाश्ता
Breakfast to all the children

₹ 02,100/-

HELP US HELP THEM



We have no Fixed Deposits nor do we take any Government Grant

You can donate either in Cash or in Kind or make the children beneficiaries in your will

To make an online Donation just visit us at
<http://www.aryagan.org/aryasamaj/online-donation.htm>

Make a direct payment into our bank account in India. The account details are

Name of the Account : Arya Samaj Gandhidham Charitable Trust

Bank : HDFC Bank Gandhidham Account Number : 02161450000055
IFSC CODE: HDFC0000216

**Please come and Celebrate your Birthdays, Wedding Anniversaries
also share your other occasions with the children.**



Please draw Cheque/DD favouring
"ARYA SAMAJ GANDHIDHAM CHARITABLE TRUST"

Our Mailing Address

ARYA SAMAJ



DBZ-N-157, Mahrishi Dayanand Marg, Near Zanda Chowk, Gandhidham-Kutch. Pin Code: 370201
Phone: +91-2836-231223, Cell: +91-9426336232, E-mail: aryagan@aryagan.org Website: www.aryagan.org

D.A.V PUBLIC SCHOOL

